वाट्सऐप @ 94140-78380, 92140-78380 | वर्ष :4 अंक : 169 | रविवार 13 अक्टूबर 2024 | दैनिक ई-पेपर

शाबाश इंडिया

@ShabaasIndia | प्लॉट नंबर 8, ओझा जी का बाग, गांधी नगर मोड, टोंक रोड, जयपुर

आदर्श नगर दशहरा मैदान में रावण दहन कार्यक्रम

बुराई, असत्य, अधर्म और अहंकार पर जीत का प्रतीक है दशहरा पर्व, अयोध्या का श्रीराम मंदिर सभी के लिए आस्था का केन्द्रः मुख्यमंत्री शर्मा

मुख्यमंत्री शर्मा शनिवार को जयपुर के आदर्श नगर दशहरा मैदान में आयोजित रावण दहन कार्यक्रम में शामिल हुए और आमजन को संबोधित किया। उन्होंने पहले आदर्श नगर के श्रीराम मंदिर में राम दरबार के दर्शन कर प्रदेश की खुशहाली और सुख-समृद्धि की कामना की तथा मंदिर परिसर में ही लक्ष्मीनारायण विग्रह, राधाकृष्ण विग्रह के भी दर्शन किए।

जयपुर. कासं

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि दशहरा पर्व देश-दुनिया में बड़े उत्साह और उमंग के साथ मनाया जाता है। यह पर्व हमें बुराई पर अच्छाई, असत्य पर सत्य, अधर्म पर धर्म और अहंकार पर विनम्रता की सीख देता है। उन्होंने कहा कि सत्य और धर्म के मार्ग पर चलने पर सदैव विजय ही प्राप्त होती है। मुख्यमंत्री शर्मा शनिवार को जयपुर के आदर्श नगर दशहरा मैदान में आयोजित रावण दहन कार्यक्रम में शामिल हुए और आमजन को संबोधित किया। उन्होंने पहले आदर्श नगर के श्रीराम मंदिर में राम दरबार के दर्शन कर प्रदेश की खुशहाली और सुख-समृद्धि की कामना की तथा मंदिर परिसर में ही लक्ष्मीनारायण विग्रह, राधाकृष्ण विग्रह के भी दर्शन किए। शर्मा ने कहा कि 500 वर्ष के बाद अयोध्या में श्रीराम मंदिर की दिव्यता और भव्यता सभी ने देखी है। श्रीराम मंदिर सभी के लिए आस्था का केन्द्र है। साथ ही, यह दुनिया का सबसे बड़ा सांस्कृतिक केन्द्र भी बन गया है। मुख्यमंत्री की उपस्थिति में दशहरा मैदान में भव्य आतिशबाजी के साथ रावण दहन कार्यक्रम संपन्न हुआ। इस अवसर पर विधायक कालीचरण सराफ, रफीक खान, जयपुर हैरिटेज मेयर श्रीमती कुसुम यादव सहित विभिन्न गणमान्य एवं बड़ी संख्या में आमजन उपस्थित रहे।

जे एस जी सनशाइन को किया गया सम्मानित

ब्यावर. शाबाश इंडिया। नगर परिषद के चेयरमैन नरेश कनोजिया के द्वारा नागरिक अभिनंद समारोह के कार्यक्रम में जैन सोशल ग्रुप सनशाइन को ग्रुप द्वारा समाज सेवा, मानव सेवा और जीव दया के लिए गए उत्कृष्ट कार्यों के लिए सम्मानित किया गया। पूर्व में भी सनशाइन को सम्मानित किया गया था। इस अवसर पर संस्था अध्यक्ष विक्रम सांखला, कोषाध्यक्ष कमल पगारिया, सहसहिव अमित कवाड़, पूर्व अध्यक्ष अरुण रूणीवाल, रूपेश कोठारी सहित अन्य सदस्यगण उपस्थित थे।

विजय पर्व पर,लंकेश उदबोधन..मन चिंतन
विश्वजीतके मन क्यों होगी..

इंजी.अरुण कुमार जैन

नहीं भाव था, माँ सीता का शीलहरण करना था,
मुक्तिपथ का दिव्यवरण ही, तब मुझको करना था.
प्रभु राम वनवासी ठहरे, क्यों लंका आयेंगे?
स्वर्णमयी लंका वैभव को, क्यों वे अपनायेंगे.
सिर्फ यही पथ, माँ सीता को,
मैं लंका ले आऊं,
देवी की रक्षार्थ उन्हें भी, लंका तक बुलबाऊँ.
क्रोध, रोष में वे आएंगे, माँ सीता को लेने,
दुष्कर्मों का दंड मुझे, अपने हाथों से देने
उनके कर से मुक्ति मिलेगी, मैं शिवपथ जाऊँगा,
उनका पावन सम्बोधन सुन, मैं शिवपथ पाऊँगा.
यही कामना हर प्राणी की,
प्रभु पद रज,मस्तक हो,
जीवन की अंतिम सांसों में,
उनका ही उदबोधन हो.
इसीलिए यह सारा मंचन, मैंने सतत रचाया,
प्रभु कर सेआशीष लेकर,
जीवन सफल बनाया.
नहीं कामना, और वासना,
थी मेरी अभिलाषा,,
विश्वजीत के मन क्यों होगी,
यह त्याज्य अभिलाषा.
महातपस्वी, ज्ञानी, योगी,
क्या इतना न जाने!
बड़ा लक्ष्य था,पथ भी दुर्गम,
मुक्ति रमा को पाने.
सुनो भव्य संसारी बंधु, जो सदपथ पाना है,
मायावी जग को तजकर के,
मुक्तिरमा पाना है.
आओ तुम भी प्रभु चरणों में
उनके आशीष पाओ,
मोक्षमहल के दिव्य शिखर पर,सदचिद आनंद पाओ.

जैन पाठशाला-जानकपुरी का वार्षिक उत्सव संपन्न

विद्यार्थियों ने प्रस्तुत की शिक्षाप्रद लघु नाटिका- 'अपने-अपने कर्मों का फल'

पाठशाला के 95 विद्यार्थियों को किया गया पुरस्कृत

जयपुर. शाबाश इंडिया

जैन पाठशाला जनकपुरी का द्वितीय वार्षिक उत्सव दिनांक 12 अक्टूबर शनिवार को जिनालय परिसर में धूम धाम से मनाया गया। पाठशाला के मुख्य संयोजक पदम जैन बिलाला ने बताया कि उत्सव में मंगलाचरण, विद्यार्थियों द्वारा लघु प्रस्तुतियों सहित अन्य कई पाठशाला के बारे में बोलते हुए कहा कि द्वादश वर्षीय पाठ्यक्रम में रिकॉर्ड 101 विद्यार्थियों का पंजीकरण हो गया है तथा पाठशाला ग्रुप में 43 छात्र पंजीकृत है। पाठशाला का वर्ष में एक धार्मिक भ्रमण सहित कई अन्य शिक्षाप्रद कार्यक्रम होते है। पाठशाला का परिणाम 100% रहता है। संरक्षक राकेश जैन के अनुसार शुभ मांगलिक भावनाओं के साथ मंगल कलश स्थापना किरण शिखर चन्द जैन द्वारा की गई। उत्सव में वर्षा सेठी , छाया ठोलिया ने अपने विचार रखे। इधर मन्दिर

कार्यक्रमों के अलावा पाठशाला का कार्य विवरण, पाठशाला के बच्चों को उपस्थिति का पुरस्कार, पाठशाला के बच्चों को दर्शन पाठ व चोबीस तीर्थंकर के नाम मय चिन्ह बताने पर पुरस्कार दिये गये। इधर संयोजक राजेंद्र ठोलिया व सुरेश शाह के अनुसार श्रमण संस्कृति संस्थान के द्वादश वर्षीय पाठ्यक्रम में उत्तीर्ण 63 विद्यार्थियों को पुरस्कार प्रदान किए गए। संरक्षक सुनील अलका सेठी , राकेश उर्मिला जैन व प्रियंका जिनेंद्र बाकलीवाल ने कहा कि कार्यक्रम में चित्र अनावरण जे के जैन लाड देवी ने, दीप प्रज्वलन राजेंद्र छाया ठोलिया ने व जिनवाणी स्थापित विनय वर्षा सेठी ने किया। मुख्य संयोजक पदम जैन बिलाला ने समिति के देवेंद्र कासलीवाल, सोभाग मल अजमेरा, मिश्री लाल, धन कुमार शाह, नवीन सेठी, महेश काला, कमलेश पाटनी, ज्ञान चंद जैन, अमित शाह, प्रतीक जैन, डा. इंद्र कुमार, सोहन लाल जैन, रमेश जैन मिठड़ी, शकुन्तला बिंदायक्या, सुशीला कोठारी, कनिका जैन आदि की उपस्थिति रही। सभी द्वारा विद्यार्थियों द्वारा प्रस्तुत लघु नाटिका-''अपने-अपने कर्मों का फल सबको मिलता है'' की तथा अर्चना प्रिया की प्रस्तुति भाव बदलाव के साथ बच्चों के डांडिया मंगलाचरण की सराहना की गई। कार्यक्रम का जिनवाणी स्तुति के साथ समापन हुआ।सभी के लिए अल्पाहार की व्यवस्था की गई थी।

किशोर कुमार की पुण्यतिथि पर विशेष...

सुरों का मसीहा यूं ही चला गया अलविदा ना कहना कहते-कहते...

जीवन के संघर्षों में वह एक फंटूश चल पड़ा शिकारी बन, के.एल.सहगल से प्रभावित दुःखी मन मेरे, सुन मेरा कहना गाते हुए। वह दौर फिल्म जगत के लिए स्वर्णिम वर्षों में रहा। सफलता के लिए जब एक से एक महारथियों, मशहूर नामचीन कलाकारों और दिग्गज अभिनेताओं के बीच तब दादा मुनि यानि अशोक कुमार ने छोटे भाई अभास कुमार गांगुली यानि किशोर कुमार को अभिनेता बनाना चाहते थे। वहीं किशोर दा ने गायन में कुछ ऐसा कमाल कर दिखाया कि, सब चकित रह जाते थे। अभिनेता के रूप में वह हिंदी फिल्म हाफ टिकट में वह छोटा बच्चा बन दर्शकों को हंसता हुआ चेहरा बने, वह चलती का नाम गाड़ी में लोगों को अपने भाईयों के साथ बम्बई (मुंबई) की सड़कों पर निकल कर कहते रहे कि बाबू समझो इशारे, होरन पुकारे पम पम पम..। खण्डवा (मध्यप्रदेश) में 4 अगस्त को जन्मे किशोर, कुंजीलाल गांगुली की संतान थे। सबसे बड़े भाई अभिनेता अशोक कुमार मुंबई नगरी में फिल्मों के सितारा कलाकार बन चुके थे, वहीं किशोर दा खण्डवा में दूध-जलेबी खाते-खाते बड़े हो रहे थे। पिता ने बेटे किशोर दा को इन्दौर भेज दिया। इन्दौर के क्रिश्चियन कॉलेज में वह पढ़ाई कर रहे थे। वह अपनी मस्ती में मस्त-मौला दुनिया से बेखबर कालेज जीवन का आनंद ले रहे थे। पढ़ाई के प्रति उनकी कोई खास रुचि नहीं थी। वह संगीत, गाना-बजाना मित्र मण्डली को इकट्ठा कर शुरू हो जाते थे। वह कालेज में पढ़ाई के बाद परिसर के मैदान में इमली के पेड़ के नीचे बैठ कर सुर, ताल व संगीत की लहरियों में जीवन में मंजिल की तलाश में उंमगता व आनंद लेते थे। कालेज की कैंटीन में जाकर जलेबी, समोसे, कचोरी और पोहे खुद भी खाते और दोस्तों को भी खिलाते थे। वहां काका की कैंटीन इतनी ज्यादा मशहूर हो गई कि, किशोर कुमार हमेशा उसे याद करते थे। उन्हीं यादों में काका किशोर से बोलते-'अरे मेरी उधारी के पैसे दे दो।' उस समय 10- 20 पैसे की उधारी भी बहुत बड़ी होती थी। उधारी के लिए काका बार-बार उन्हें बोलते-ला मेरे पैसे किशोर। उसी कैंटीन में टेबल, गिलास व चम्मच लेकर बजा-बजाकर गाते और पांच रुपया बारहा आना की धुन निकालते। आगे चलकर इस गीत-संगीत को अपनी फिल्म में भी उन्होंने परदे पर दिखाया, जो बहुत ही सुपरहिट गीत बना। फिर कालेज की पढ़ाई को अधूरी छोड़ कर वह माया नगरी चले गए, जहां शुरूआत में उन्होंने 81 से ज्यादा फिल्मों में अभिनय किया, पर असली पढ़ाव अभिनय नहीं था। वह तो संगीत-गायन के क्षेत्र में आगे आना चाहते थे। एस.डी. बर्मन ने उन्हें जब मौका दिया तो उनके मार्गदर्शन में ही कहीं सफल गाने गाए और उसके बाद उनके सुपुत्र आर.डी. बर्मन (पंचम दा) के साथ भी लगातार वर्षों तक सफल दर सफल फिल्में व उनके गाने भी भीड़ से हट कर थे, पंचम के बाद अपने भानजे यानी बप्पी लहरी के साथ मिलकर बहुत हिंट गाने दिए वह हमेशा कहते थे कि चलते चलते अलविदा ना कहना... ऐसे तो किशोर दा के गानों की एक लम्बी फेहरिस्त है। तभी तो 2700 से भी अधिक गाने गाए, जो कीर्तिमान ही है। किशोर दा जैसे ही हरफनमौला कलाकारों का जीवन उनकी सतरंगी कहानी के साथ अतरंगी भी होता है। वह गायकी के मसीहा थे उनके पास सब-कुछ होने के बाद भी कभी-कभी जिंदगी में कुछ खालीपन रह ही जाता है। गायक, अभिनेता, निर्देशक और गीतकार किशोर कुमार ने 4 शादी की थी। जब किशोर दा की चौथी शादी हुई, तब उनका बड़ा बेटा अमित व लीला चंदावरकर की उम्र में 2 साल का फर्क था। किशोर कुमार ने बच्चों की परवरिश में कोई कोताही नहीं बरती। तभी तो अमित कुमार भी स्थापित गायक बने, क्योंकि किशोर दा ने उंगली पकड़कर कहा आ चल के तुझे में लेके चलूं एक गगन के तले। लता, आशा व किशोर की सदाबहार जोड़ी उस समय बहुत सफल थी, जिनके गीत आज भी कर्णप्रिय हैं। दर्द भरे गाने में दिल ऐसा किसी ने मेरा तोड़ा हो या फिर मेरा जीवन कोरा कागज कोरा ही रह गया या फिर शराबी फिल्म का गीत मंजिलें अपनी जगह है रास्ते अपनी जगह इन गानों में किशोर दा ने बहुत सारी बातें कही। किशोर दा ने आपातकाल का वह प्रतिबंध भी झेला, जब तत्कालीन सूचना एवं प्रसारण मंत्री विद्याचरण शुक्ल ने किशोर कुमार के गीतों को आकाशवाणी में प्रतिबंधित कर दिया था। उस हरफनमौला कलाकार ने इसकी परवाह नहीं की और आगे बढ़ते रहे एवं कहते रहे कि दीए जलते हैं, फूल खिलते हैं, बड़ी मुश्किल से दुनिया में दोस्त मिलते हैं। लगातार गायकी के क्षेत्र में बिना सीखे सिर्फ आत्मचिंतन से कुछ नया करने के अंदाज ने ही उन्हें महान कलाकार बना दिया। आराधना के बाद राजेश खन्ना व उसके बाद अमिताभ बच्चन के लिए भी किशोर दा बहुमूल्य रत्न थे। उसी हरदिल अजीज कलाकार की 13 अक्टूबर को पुण्यतिथि पर सिर्फ एक बात याद आ रही है कि, अब दुनिया में कोई और किशोर कुमार नहीं आएगा, जो अपनी जन्मभूमि खण्डवा मध्यप्रदेश का प्यारा होगा, जो अपनी शिक्षा स्थली से प्रभावित होगा, जो अपनी कर्मभूमि पर 7 सुरों के जादू को बिखेरेगा। ऐसे बिरले व्यक्ति बहुत कम होते हैं, जो गीत, संगीत व गायकी में अपना अलग अंदाज छोड़ जाए। ऐसे किशोर दा को सुरों के चाहने वाले कभी भी नहीं भुला पाएंगे। उनकी पुण्यतिथि पर समर्थि स्थल पर हम सभी उनके गाने सुनें और गुनगुनाएं, यही उन्हें सुरों के कद्रदानों की और से श्रद्धांजलि होगी , क्योंकि सुरों का मसीहा यूं ही चला गया अलविदा ना कहना कहते कहते। किशोर दा का जीवन सतरंगी सुरों के ईर्द-गिर्द ही रहा वह हमेशा एक गीत को अपने बहुत करीब रखतें थे दुनिया में कितना गम मेरा गम कितना कम है लोगों का गम देखा तो मैं अपना भूल गया। अपनी मौत के पहले मौत का नाटक करके 13 अक्टूबर 1987 को उसी दिन सही में मौत उनके पास आ गई और लाखों किशोर कुमार के प्रेमियों को निराश कर गई । उनकी अंतिम यात्रा जन्मस्थली खण्डवा के गोरी कुंज के बंगले से निकलीं गई। मध्यप्रदेश सरकार ने उनकी स्मृतियों को संगीत प्रेमियों के दिलों में जिंदा रखने के लिए किशोर सम्मान का पुरस्कार प्रति वर्ष दिया जाता है। ओर किशोर दा की पुण्यतिथि पर उनकी समार्थि स्थल पर दुध जलेबी का भोग भी लगाया जाता है। ऐसे नायाब कोहिनूर किशोर दा को आज उनकी पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि व शत शत नमन।

गायक, अभिनेता, निर्देशक और गीतकार किशोर कुमार ने 4 शादी की थी। जब किशोर दा की चौथी शादी हुई, तब उनका बड़ा बेटा अमित व लीला चंदावरकर की उम्र में 2 साल का फर्क था। किशोर कुमार ने बच्चों की परवरिश में कोई कोताही नहीं बरती। तभी तो अमित कुमार भी स्थापित गायक बने, क्योंकि किशोर दा ने उंगली पकड़कर कहा आ चल के तुझे में लेके चलूं एक गगन के तले।

वेद ज्ञान

कुंठा के पार

योजनाओं को पूरा करने का स्वप्न अपूर्ण रह जाए तब जिस घुटन, बेचैनी या झुंझलाहट का आगाज होता है, वही कुंठा कहलाती है। स्वप्न देखना मनुष्य की जन्मजात प्रकृति है। प्रायः वह अपनी क्षमता और स्थिति का भली-भांति आकलन किए बगैर चंचल मन के वशीभूत होकर विविध आकांक्षाओं अथवा कपोल-कल्पित योजनाओं को पूरा करने का स्वप्न देखता रहता है। जब किसी व्यक्ति के मन में कुछ पाने की तीव्र उत्कंठा हो, परंतु उसे प्राप्त करने की शक्ति अथवा परिस्थिति न हो अथवा प्रारब्ध आदि कारणों से उसकी इच्छा अपूर्ण रह जाए तब मन के भीतर जिस घुटन, बेचैनी या झुंझलाहट का आगाज होता है, वही कुंठा कहलाती है। यह विफलता के कारण मन में उत्पन्न होने वाली घोर निराशा ही है। अधिकांशतः आर्थिक प्रतिस्पर्धा, मान-सम्मान पाने की अत्यधिक लालसा, परीक्षा में असफलता, युवाओं में प्रेम-प्रसंगों की विफलता आदि असह्य परिस्थितियां हमें कुंठित जीवन जीने के लिए विवश कर देती हैं। शरीर की एड्रीनल ग्रंथियों द्वारा स्रावित एड्रीनलीन हॉर्मोन से तमाम असामान्य लक्षण प्रकट होते हैं। एकांतप्रियता, गुमसुम रहना और नकारात्मक विचारों की प्रधानता व्यक्तित्व को बंधक बना लेती है। अनिद्रा के साथ ही मधुमेह, उच्च रक्त चाप जैसी खतरनाक बीमारियों के सक्रिय होने का खतरा भी बढ़ जाता है। कुंठा की चरमावस्था में आत्महत्या जैसे कुत्सित विचार भी मन को उद्वेलित कर सकते हैं। जीवन प्रकृति की अनुपम भेंट है। गीता में श्रीकृष्ण ने कहा है-तेरा कर्म करने पर ही अधिकार है, उसके फलों पर कभी नहीं। इसलिए लक्ष्य-पूर्ति के लिए किए गए संघर्ष को जीवन की सहज प्रक्रिया मानकर अंगीकार करें और सदैव समझौतावादी दृष्टिकोण अपनाएं। सपनों से नाता न तोड़ें, अन्यथा जीवन नीरस हो जाएगा, परंतु अपनी आकांक्षाओं को सीमित कर क्षमताओं की सीमा का अतिक्रमण कदापि न होने दें। कुंठा जीवन की प्रबल शत्रु है। मनोवैज्ञानिक शोधों से खुलासा हुआ है कि कुंठा से व्यक्ति की उपलब्धियों, गुणों और प्रतिभा का ह्रास होता है। इसलिए हमेशा सकारात्मक सोच रखें और निराशा से बचें। समुचित शारीरिक व्यायाम, पौष्टिक और संतुलित आहार, नियमित व संयमित दिनचर्या और योगाभ्यास को अपनाकर कुंठा से काफी हद तक बचा जा सकता है। साथ ही सैर-सपाटे पर जाएं। प्रकृति के साथ समय बिताएं।

संपादकीय

विकासवाद को बताया दुनिया की जरूरत

दक्षिण-पूर्व एशियाई देशों के संगठन आसियान के लाओस शिखर सम्मेलन में प्रधानमंत्री ने एक बार फिर एकजुटता की जरूरत रेखांकित की। यह सम्मेलन ऐसे समय में हो रहा है, जब दुनिया के कई देश परस्पर संघर्ष में उलझे हुए हैं और इसके चलते अनेक आर्थिक समस्याएं चुनौती बन कर खड़ी हो गई हैं। विकसित कहे जाने वाले देश भी मंदी और सुस्त अर्थव्यवस्था से पार पाने के लिए संघर्ष कर रहे हैं। प्रधानमंत्री ने ऐसी स्थिति

में दक्षिण एशियाई देशों से परस्पर सहयोग और शांतिपूर्ण वातावरण बनाए रखने की अपील की। दक्षिण एशिया के सभी देश चीन की विस्तारवादी नीतियों के चलते किसी न किसी रूप में असहज महसूस करते हैं। इसलिए सभी ने शिखर सम्मेलन के मंच से चीन की खुलकर आलोचना की। प्रधानमंत्री ने चीन का नाम लिए बगैर कहा कि हमारी नीति विकासवादी होनी चाहिए, न कि विस्तारवादी। दक्षिण चीन सागर में चीन की बढ़ती सक्रियता के मद्देनजर उन्होंने समुद्री गतिविधियों के संबंधित कानूनी ढांचे 'अनक्लोस' के तहत ही संचालित किए जाने पर बल दिया। निगरानी की आजादी और वायु क्षेत्र सुनिश्चित करने की जरूरत भी रेखांकित की। इस पर एक ठोस और प्रभावी आचार संहिता बनाने तथा क्षेत्रीय देशों की विदेश नीति पर अंकुश लगाने की कोशिशों पर विराम लगाने के उपाय तलाशने की जरूरत भी बताई। दरअसल, चीन की विस्तारवादी नीतियों के कारण न केवल दक्षिण एशिया, बल्कि दूसरे कई देशों में भी कई तरह की परेशानियां पैदा हो गई हैं। चीन ऐसा जानबूझ कर करता है, ताकि तेजी से विकास कर रहे और विकसित देश संघर्षों में उलझे रहें और वह उनके बाजार में अपना वर्चस्व कायम रखे। मगर चूंकि भारत अब विकसित देश बनने के पायदान चढ़ रहा है और उसके प्रयासों से वैश्विक दक्षिण देश अपना एक नया बाजार बनाने की दिशा में बढ़ रहे हैं, चीन की चिंता स्वाभाविक रूप से बढ़ गई है। दक्षिण चीन सागर में उसने इसीलिए अपनी गतिविधियां तेज कर दी हैं। कुछ समय पहले हुए क्वाड सम्मेलन में भी भारत, अमेरिका, जापान और आस्टेलिया ने दक्षिण चीन सागर में चीन की गतिविधियों पर नकेल कसने की जरूरत रेखांकित की थी। दरअसल, अब विकसित देशों को भी महसूस होने लगा है कि दक्षिण एशियाई देशों के सहयोग के बिना चीन को टक्कर देना संभव नहीं है। इन देशों को एकजुट रखने में भारत की अहम भूमिका है। हालांकि आसियान का गठन आर्थिक मामलों में पश्चिम के विकसित देशों, चीन और रूस के वर्चस्व को तोड़ कर अपना एक बाजार विकसित करने और इस क्षेत्र में शांति और सहयोग बनाए रखने के मकसद से हुआ था। इसका असर भी दिखने लगा है। फिलहाल जिस तरह रूस और यूक्रेन लंबे समय से संघर्ष कर रहे हैं और उसके चलते पूरी दुनिया में आपूर्ति शृंखला बाधित हुई है। फिर इजराइल और हमास के संघर्ष का दायरा बढ़ा है और उसमें विश्व की दूसरी ताकतों के भी कूद पड़ने की आशंका जाहिर की जा रही है, आसियान देशों की भूमिका आने वाले समय में और महत्त्वपूर्ण होने वाली है। **-राकेश जैन गोदिका**

परिदृश्य

एकता की आवाज

दक्षिण-पूर्व एशियाई देशों के संगठन आसियान के लाओस शिखर सम्मेलन में प्रधानमंत्री ने एक बार फिर एकजुटता की जरूरत रेखांकित की। यह सम्मेलन ऐसे समय में हो रहा है, जब दुनिया के कई देश परस्पर संघर्ष में उलझे हुए हैं और इसके चलते अनेक आर्थिक समस्याएं चुनौती बन कर खड़ी हो गई हैं। विकसित कहे जाने वाले देश भी मंदी और सुस्त अर्थव्यवस्था से पार पाने के लिए संघर्ष कर रहे हैं। प्रधानमंत्री ने ऐसी स्थिति में दक्षिण एशियाई देशों से परस्पर सहयोग और शांतिपूर्ण वातावरण बनाए रखने की अपील की। दक्षिण एशिया के सभी देश चीन की विस्तारवादी नीतियों के चलते किसी न किसी रूप में असहज महसूस करते हैं। इसलिए सभी ने शिखर सम्मेलन के मंच से चीन की खुल कर आलोचना की। प्रधानमंत्री ने चीन का नाम लिए बगैर कहा कि हमारी नीति विकासवादी होनी चाहिए, न कि विस्तारवादी। दक्षिण चीन सागर में चीन की बढ़ती सक्रियता के मद्देनजर उन्होंने समुद्री गतिविधियों के संबंधित कानूनी ढांचे ह्य अनक्लोसह्न के तहत ही संचालित किए जाने पर बल दिया। निगरानी की आजादी और वायु क्षेत्र सुनिश्चित करने की जरूरत भी रेखांकित की। इस पर एक ठोस और प्रभावी आचार संहिता बनाने तथा क्षेत्रीय देशों की विदेश नीति पर अंकुश लगाने की कोशिशों पर विराम लगाने के उपाय तलाशने की जरूरत भी बताई। दरअसल, चीन की विस्तारवादी नीतियों के कारण न केवल दक्षिण एशिया, बल्कि दूसरे कई देशों में भी कई तरह की परेशानियां पैदा हो गई हैं। चीन ऐसा जानबूझ कर करता है, ताकि तेजी से विकास कर रहे और विकसित देश संघर्षों में उलझे रहें और वह उनके बाजार में अपना वर्चस्व कायम रखे। मगर चूंकि भारत अब विकसित देश बनने के पायदान चढ़ रहा है और उसके प्रयासों से वैश्विक दक्षिण देश अपना एक नया बाजार बनाने की दिशा में बढ़ रहे हैं, चीन की चिंता स्वाभाविक रूप से बढ़ गई है। दक्षिण चीन सागर में उसने इसीलिए अपनी गतिविधियां तेज कर दी हैं। कुछ समय पहले हुए क्वाड सम्मेलन में भी भारत,अमेरिका, जापान और आस्टेलिया ने दक्षिण चीन सागर में चीन की गतिविधियों पर नकेल कसने की जरूरत रेखांकित की थी। दरअसल, अब विकसित देशों को भी महसूस होने लगा है कि दक्षिण एशियाई देशों के सहयोग के बिना चीन को टक्कर देना संभव नहीं है। इन देशों को एकजुट रखने में भारत की अहम भूमिका है। हालांकि आसियान का गठन आर्थिक मामलों में पश्चिम के विकसित देशों, चीन और रूस के वर्चस्व को तोड़ कर अपना एक बाजार विकसित करने और इस क्षेत्र में शांति और सहयोग बनाए रखने के मकसद से हुआ था। इसका असर भी दिखने लगा है। फिलहाल जिस तरह रूस और यूक्रेन लंबे समय से संघर्ष कर रहे हैं और उसके चलते पूरी दुनिया में आपूर्ति श्रृंखला बाधित हुई है। फिर इजराइल और हमास के संघर्ष का दायरा बढ़ा है और उसमें विश्व की दूसरी ताकतों के भी कूद पड़ने की आशंका जाहिर की जा रही है, आसियान देशों की भूमिका आने वाले समय में और महत्त्वपूर्ण होने वाली है। निस्संदेह अगर आसियान देश इस स्थिति में एकजुटता और परस्पर सहयोग बनाए रखते हैं, तो इस क्षेत्र को वैश्विक संघर्षों की आंच कम से कम प्रभावित कर पाएगी। प्रधानमंत्री के इस बयान से शायद ही कोई देश असहमत होगा कि यह समय बुद्ध और संघर्ष का नहीं, बल्कि परस्पर सहयोग और सामंजस्य का है।

विजयादशमी के पावन अवसर पर हम हमारे अस्तित्व को पहचानें: युवाचार्य महेंद्र ऋषि जी महाराज

एएमकेएम में दशहरे पर दिया संदेश

सुनिल चपलोत. शाबाश इंडिया

चैन्नई। विजयादशमी का पर्व हमें आत्ममंथन और आत्मपरीक्षण का संदेश देता है। यह वह समय है जब हम अपने भीतर की शक्ति, मूल्यों और उद्देश्यों को पहचानें।शनिवार को एएमकेएम जैन मेमोरियल सेंटर के आनन्द दरबार में श्रमण संघीय युवाचार्य महेंद्र ऋषिजी महाराज ने दशहरे का सुंदर स्वरूप बताते हुए कहा कि दशहरा स्वजागरण का प्रतीक है। यह अज्ञानता पर ज्ञान की विजय है। उन्होंने कहा रावण को बुराई का प्रतीक कहा गया लेकिन हमारे अंदर जो मिथ्यात्व मोह है, वह असल में रावण है। रावण के भीतर रहे हुए मिथ्यात्व मोह ने उसे पतन के गर्त में धकेल दिया। रावण उस समय पंडित, ज्ञानी, सामर्थ्यशाली, पराक्रमी, विद्वान माना जाता था। उसमें सारे गुण थे लेकिन मिथ्यात्व मोह था। सीता को अपना बनाने की कोशिश में उसके पीछे अपना सामर्थ्य, ज्ञान सबको दांव पर लगा दिया। गौतम स्वामी कहते हैं यदि मैंने एक को जीत लिया तो मैं पांच को जीत लेता हूं। जब पांच को जीत लेता हूं तो दस को जीत लेता हूं। पहले एक को अपना लक्ष्य बनाएं। मैं स्वयं को जब तक नहीं जान लेता, अपने अज्ञान को दूर नहीं कर लेता, जीत की राह मिलती ही नहीं है। मूल भाव तो यही है कि स्वयं को जीते बिना जगत को या किसी को भी जीतोगे कैसे। उन्होंने कहा हमारे आगम कहते हैं हम जीव- अजीव में उलझ गए हैं। हम स्वयं को तो भूल गए कि मैं जीव हूं या अजीव। सत्य यह है कि मैं जीव हूं, मेरा शरीर अजीव है। मैंने शरीर को ही जीव मान लिया, यही तो मिथ्यात्व है। हमारे आगम कहते हैं हे चेतन्य! तुम्हारे अंदर असीम सामर्थ्य है। हमारी श्रद्धा यह होनी चाहिए कि मैं जीव हूं।

शरीर से जब जीव निकल जाएगा तो वह खत्म हो जाएगा। उन्होंने कहा जीव नित्य है या नष्ट होने वाला नहीं है जबकि शरीर अनित्य है, यह नाशवान है। हमने बाहरी आवरणों, यह मेरा-यह तेरा, उस उलझन में अजीव को अपना मान लिया, यही मिथ्यात्व मोह है। मिथ्यात्व दस प्रकार के है, जिनका वर्णन पच्चीस बोल में आता है। उन्होंने कहा विजयादशमी के पावन अवसर पर हम हमारे अस्तित्व को पहचानें। राम आत्मा का स्वभाव है, धर्म है, सीता सुबुद्धि है, लक्ष्मण सत्य है, रावण मिथ्यात्व है। रामायण की पूरी कथा इनके इर्द गिर्द ही चलती है। जो आत्मभावों में रमण करते हैं, जो शुभ भावों में होते हैं, जो मयार्दाओं को समझते हैं, वे राम है। हम भीतर की रामायण का निरीक्षण करें। हम इसी प्रकार राम को जीवन में स्थान दें। युवाचार्यश्री ने बताया कि आगामी 19 तारीख को उत्तराध्ययन सूत्र का स्वाध्याय शुरू करने वाले हैं। उसी दिन नवदीक्षित

साध्वी जिव्याश्रीजी की बड़ी दीक्षा संपन्न होगी। रविवार से प्रवचन प्रातः 9 से 10 बजे होंगे। वडगांव- पूना, रायपुर, श्रीरामपुर, बैंगलुरू आदि क्षेत्रों से गुरुभक्तगण युवाचार्यश्री के दर्शनार्थ व वंदनार्थ उपस्थित हुए। वडगांव के अजीत गुगलिया ने अपने विचार रखे। राकेश विनायकिया ने सभा का संचालन किया।

श्री आदिनाथ मित्र मण्डल, जयपुर द्वारा
श्री दिगम्बर जैन श्रमण संस्कृति संस्थान, सांगानेर के छात्रों को प्रात: का भोजन करवाया जायेगा
रविवार, 13 अक्टूबर 2024
प्रात: 9.30 बजे से
स्थान : श्री दिगम्बर जैन श्रमण संस्कृति संस्थान (बालक छात्रावास) सांगानेर, जयपुर
आप सभी सादर आमंत्रित हैं।
आदिनाथ मित्र मण्डल
सुनील जैन अध्यक्ष | राकेश गोदिका संरक्षक | विमल जैन वरिष्ठ उपाध्यक्ष | राजेन्द्र बाकलीवाल मंत्री | संजय जैन 'आवां' उपाध्यक्ष | साकेत जैन उपाध्यक्ष | अशोक सेठी संयुक्त मंत्री | अनिल जैन डाइया संयुक्त मंत्री | मुकेश जैन कोषाध्यक्ष
कार्यकारिणी सदस्य : टीकम जैन, अशोक सोगानी, राजेन्द्र जैन बोरखंडी, अनिल जैन (दोशी), अशीष शाह, अशोक जैन (आगरा रोड), पं. विनोद शास्त्री

Rotary DISTRICT 3054
THE MAGIC OF ROTARY
ROTARY CLUB JAIPUR NORTH
ENTRY BY PASSES ONLY
Fashion Show
NAVKAR KITCHEN AND INTERIORS
Presents
Dandiya Mahotsav 2024
13 Oct. 2024 (SUNDAY)
3:00 PM to 11:00 PM
Venue :
Mahaveer School Ground
C-Scheme, Jaipur
Attractions
Dandiya Awards
Lucky Draws
Best Male Dandia
Best Female Dandia
Best Kids Dandia
Best Couple Dandia
Best Ramp Walk Couple
Best Fashion Kids
in all categories
Delicious food zone
D J Dandia Dhamaal
and many more prices
मुख्य अतिथि - फैशन शो
जैन सोशल ग्रुप सिद्धा
संस्थापक अध्यक्ष
धीरज कुमार सीमा पाटनी
FASHION SHOW RAMP WALK ORGANIZE BY
MISS RAJASTHAN ORGANIZATION
FUSION GROUP
CO-POWERED BY
Radio City
MEDIA PARTNER
तेज खबर चैनल
NEWS 21
सत्य-सटीक-निष्पक्ष
Celebrity - Naveen Sharma Actor
RJ Rohit-Radio City
Anchor Ankit Khandelwal
SIDDHAM ENT HOSPITAL
THE WINDOW MART
uPVC Windows and Door Manufacturer
Dr. Amit Sharma
SUPER SPECIALITY DENTAL HOSPITAL
ZOOM Live Beautifully
Reveira keep you loving...
Minimondo future's fashion wear
JOHARIZ
ARG Lighting And Automation
TripFactory
MITTAL ART & EXPORTS
AmbiLiv Adorn living
ARMONIA DÉCOR + GIFTS
Aashiyana Decor
Arham Collection
RCJ
Swarn Mangal
Mangalam Lift
सहयोगी संस्था : Rotary Club Jaipur | Rotary Club Jaipur Central | Rotary Club Jaipur Citizen | Rotary Club Jaipur City | Rotary Club Jaipur Crown | Rotary Club Jaipur Diya | Rotary Club Jaipur East | Rotary Club Jaipur Elite | Rotary Club Jaipur Emerald | Rotary Club Jaipur Golden | Rotary Club Jaipur Gurukul | Rotary Club Jaipur Heights | Rotary Club Jaipur Kings City | Rotary Club Jaipur Kohinoor | Rotary Club Jaipur Mahanagar | Rotary Club Jaipur Mahesty | Rotary Club Jaipur Management | Rotary Club Jaipur Mansarovar | Rotary Club Jaipur Marudhara | Rotary Club Jaipur Metro | Rotary Club Jaipur Midtown | Rotary Club Jaipur North | Rotary Club Jaipur Organ Donation | Rotary Club Jaipur Pearl | Rotary Club Jaipur Pink City | Rotary Club Jaipur Pride | Rotary Club Jaipur Researchers | Rotary Club Jaipur Round Town | Rotary Means Business Jaipur | Rotary Club Jaipur Global | Agra Yuva Shakti, Jaipur | Bharat Vikas Parishad, Vaishali Shakha | All Rajasthan Vaish Employees Service Organization (ARVESO) दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप फैडरेशन राजस्थान रीजन | दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप डायमण्ड | दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप वीर | दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप नवकार | दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप स्वास्तिक | दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप सन्मति | दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप संगिनी फॉर ऐवर | दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप पिंक पर्ल | दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप तीर्थंकर | दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप गुलाबी नगर | दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप मैत्री | राजस्थान जैन आर्गेनाईजेशन, जयपुर | भारतीय जैन मिलन, जयपुर | भारतवर्षीय दिगम्बर जैन युवा महासभा, जयपुर | भारतीय जैन युवा परिषद, जयपुर | न्यू आतिश मार्केट एसोसिएशन, जयपुर | अंजलि एक्यूप्रेशर ट्रीटमेंट एवं योगा सेंटर | नेमीनाथ युवा मण्डल, मालवीय नगर, जयपुर | अंतराष्ट्रीय वैश्य महासम्मेलन सेंट्रल यूथ विंग, जयपुर | अंतराष्ट्रीय वैश्य महासम्मेलन सेंटल महिला विंग, जयपुर | श्री मनोकामना पार्श्व नाथ दिग. जैन समाज दादूदयाल नगर | दिगम्बर जैन महासमिति महिला अंचल राजस्थान | दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप पिंक पर्ल
COORDINATORS
Rtn. Sunita Naresh Jain
Rtn. Tarun Shilpa Jain
Rtn. Mahesh Ritu Mangal
Rtn. Vinayak Kanika Sharma
Rtn. Anil Hema Mandot
Rtn. Hardhik Hema Jain
Rtn. Ankit Ruchi Khandelwal
Rtn. Gajendra Puspa Singh Rathore
Rtn. JK Santosh Jain
Rtn. Manish Kavita Gupta
Rtn. Piyush Priya Jain
Rtn. Pramod Sonal Jain
Rtn. Pratik Ruchi Jain
Rtn. Prageet Preeti Sogani
Rtn. Rishi Monika Jain
Rtn. Rahul Rashmi Jain
Rtn. Rajendra Maya Gupta
Rtn. Tanuj Nikita Jain
Rtn. Tikam Chand Deepshika Jain
Rtn. Tapan Vidhi Sharma
Rtn. Dinesh Suman Patni
Rtn. Rajesh Vinita Choudhary
RTN. ANIL ANITA JAIN
President
RTN. DR. ARCHANA SHARMA
Club Mentor
RTN. DR. AMIT KOPAL SHARMA
Secretary
A RESOLUTION DEDICATED TO THE ENVIRONMENT

गैर पेशेवर उदयपुर क्रिकेट प्रीमियर लीग 15 अक्टूबर से, फर्क नजर आएगा

13 दिवसीय डे-नाइट मैच होंगे शिकारबाड़ी में

उदयपुर. शाबाश इंडिया

एमवीपी इवेन्ट्स प्रा. लि. की ओर से शहर में पहली बार नॉन प्रोफेशनल्स के लिये 13 दिवसीय डे-नाइट वंडर सीमेंट्स प्रजेंट्स उदयपुर क्रिकेट प्रीमियर लीग 15 अक्टूबर को शिकारबाड़ी में आयोजित होगी। इस लीग के लिए टीशर्ट और ट्रॉफी की लॉन्चिंग शनिवार को चूंडा पैलेस में आयोजित एक समारोह में की गई। एमवीपी इवेन्ट्स के प्रतीक परिहार ने बताया कि इस दौरान वंडर सीमेंट्स के जैद खान, आदित्य रियल एस्टेट के शैतान सिंह झाला, यदुराजसिंह कृष्णावत, मयूर मेहता और अंकित कोठारी मौजूद थे। परिहार ने बताया कि यह प्रतियोगिता शहर के क्लबों एवं अन्य स्थानों पर शॉकियाना तौर पर खेलने वाले खिलाड़ियों के लिये खास तौर पर डिजाइन की गई है। प्रतियोगिता में कुल 10 टीमें भाग लेगी। जिसमें से 9 टीमें चेतक स्टालियन, महाराणा किंग्स, गणगौर वॉरीयर्स, पिछोला पैंथर्स, लेक टाईटन्स, अरावली एवेन्जर्स, हल्दीघाटी योद्धाज, मेवाड़ लिजेन्ड एवं पैलेस नाईट्स तथा 1 टीम चिकित्सकों की होगी। इवेंट के अनिरुद्ध सांखला ने बताया कि प्रतियोगिता में प्रतिदिन 3-3 मैच 20-20 ओवर के खेले जायेंगे। इसके मुख्य स्पोन्सर वन्डर सीमेन्ट एवं को-स्पोन्सर आदित्य रियल एस्टेट है। इस प्रतियोगिता में 25 से लेकर 55 वर्ष तक के गैर पेशेवर खिलाड़ी भाग लेंगे। यू-ट्यूब चौनल पर लाइव प्रसारण होगा। मैच के दौरान फिजियोथैरेपिस्ट तथा बॉक्स में थर्ड अम्पायर एवं लाईव कैमरा सुविधा भी उपलब्ध रहेगी।

रिपोर्ट/फोटो : राकेश शर्मा 'राजदीप'

सिल्वर रेजिडेंसी में हुई शस्त्र पूजा

उदयपुर. शाबाश इंडिया

अन्याय पर न्याय की विजय के प्रतीक दशहरा पर्व पर सिल्वर रेजिडेंसी में शस्त्र पूजा की गई। इस दौरान बतौर मुख्य अतिथि कार्यक्रम में पधारे बीएसएफ के डिप्टी कमांडेंट राघवेंद्र सिंह राजावत ने कहा कि अपनी संस्कृति की जड़ों से जुड़े रहना आज की पीढ़ी के लिए अत्यंत आवश्यक है। शस्त्र पूजा अपने शौर्य एवं वीरता के प्रदर्शन का प्रतीक है। इस अवसर पर सिल्वर रेजिडेंसी सोसायटी के अध्यक्ष छगन सिंह, जेपी जैन, दलपत सिंह चुंडावत, कुलदीप चौहान, विजय श्रीमाली, ताराचंद पालीवाल ओमपाल सीलन आदि भी उपस्थित रहे।

Rotary DISTRICT 3056 | THE MAGIC OF ROTARY

BLOOD DONATION CAMP

DONATE BLOOD

ROTARY CLUB JAIPUR CITIZEN

मेघा ब्लड डोनेशन कैंप 20 से 23 अक्टूबर 2024 तक 10 रक्तदान शिविर

क्र.सं.	रक्तदान शिविर		शिविर आयोजक	रक्तदान शिविर स्थल
	दिनांक	समय		
1.	20 अक्टूबर	प्रातः 8 से 4 बजे तक	प्रज्ञा इंस्टीट्यूट ऑफ पर्सनेलिटी डवलपमेंट	गली नम्बर 6, बरकत नगर, जयपुर
2.	20 अक्टूबर	प्रातः 9 से 1 बजे तक	श्री महावीर कॉलेज	सी-स्कीम, जयपुर
3.	20 अक्टूबर	प्रातः 9 से 3 बजे तक	केटम एकेडमी आमेर	केटम एकेडमी आमेर, जयपुर
4.	21 अक्टूबर	प्रातः 10 से 3 बजे तक	एस डी एम एच ब्लड बैंक	एस डी एम एच ब्लड बैंक, जयपुर
5.	21 अक्टूबर	प्रातः 10 से 3 बजे तक	सुप्रीम हाईट्स	गोपालपुरा बाईपास रोड, जयपुर
6.	21 अक्टूबर	प्रातः 9 से 2 बजे तक	बेबीलोन होस्पिटल	311, आदर्श नगर, जयपुर
7.	22 अक्टूबर	प्रातः 9 से 1 बजे तक	ए आर एल इंफ्राटेक लिमिटेड	गांव धामी खुर्द, बगरू, एन एच 8, अजमेर हाइवे, जयपुर
8.	22 अक्टूबर	प्रातः 10 से 3 बजे तक	आकृति लेब	गांधी नगर मोड़, टोंक रोड, जयपुर
9.	22 अक्टूबर	प्रातः 10 से 3 बजे तक	ग्लोबल हर्ट एंड जनरल हॉस्पिटल	वेशाली नगर, जयपुर
10.	23 अक्टूबर	प्रातः 10 से 3 बजे तक	जेईसीआरसी यूनिवर्सिटी	प्लॉट नं. आईएस 2036-2039, रामचंद्रपुरा इंडस्ट्रीयल एरिया, सीतापुरा

Rtn. Dinesh Mitu Jain Baj, President | Rtn. Sudhir Sangeeta Godha, Charter President | Rtn. Narendra Seema Mittal, Secretary | Rtn. Neeraj Archana Kala, Treasurer

CHAIRMAN Rtn. Amit-Sonil Agarwal

पिंक क्लब वेलफेयर सोसाइटी ने रोगियों के लिए कंबल भेट किए

जयपुर. शाबाश इंडिया। पिंक क्लब वेलफेयर सोसाइटी ने महादान सप्ताह में एस एम एस अस्पताल के न्यूरोलॉजी वार्ड में रोगियों के लिए कंबल दिये । सोसायटी हमेशा जरूरतमंदों के लिए उनकी जरूरतानुसार सहायता करती रहती है।

दशहरा के पावन अवसर पर दर्शनों के लिए सहस्रकूट विज्ञातीर्थ गुंसी में भक्तों का लगा तांता

गुंसी, निवाई. शाबाश इंडिया। श्री दिगंबर जैन अतिशय क्षेत्र सहस्त्रकूट विज्ञातीर्थ गुंसी राजस्थान की पावन धरा पर चातुर्मास रत परम पूज्य भारत गौरव श्रमणी गणिनी आर्यिका गुरुमां 105 विज्ञाश्री माताजी ससंघ सान्निध्य में दशहरा के पावन अवसर पर प्रतिक जैन सेठी ने बताया की श्री भक्तामर दीपार्चना का भव्य आयोजन किया गया। इस आयोजन के पुण्यार्जक परिवार बनने का सौभाग्य सुबोध पाटनी ट्रांसपोर्ट वाले कोटा,विमल अजमेरा किशनगढ़ ने प्राप्त किया। अभिषेक शांतिधारा देखने हेतु जयपुर, कोटा, किशनगढ़,अजमेर, रुपनगढ़, निवाई,चाकसू,दूनी, सवाईमाधोपुर, टोंक से भक्तगण पधारे। आर्यिका संघ की आहारचर्या कराने का सौभाग्य महिला परिषद की अध्यक्षा सुमित्रा छाबड़ा,उपाध्यक्ष तारामणि अजमेरा एवं शांतिलाल अजमेरा,डॉ.नीलिमा जैन को प्राप्त हुआ। प्रतिक जैन सेठी ने बताया की आहारचर्या के पश्चात भक्ति भाव के साथ उन्होंने श्री शांतिनाथ भगवान की मंगल आरती की। गुरु भक्त शांतिलाल जैन पूज्य गुरु मां का मंगल आशीर्वाद प्राप्त किया। दूर-दूर से भक्तगण पधारकर क्षेत्र के दर्शनों का लाभ प्राप्त कर रहे हैं। ऐतिहासिक सहस्त्रकूट जिनालय का निर्माण कार्य चल रहा है। पुरुलिया पश्चिम बंगाल से पधारे हुए भक्तगण सुरेश जैन ने पूज्य गुरु मां का मंगल आशीर्वाद प्राप्त किया। इस अवसर पर मंगल प्रवचन देते हुए पूज्य माताजी ने कहां कि बुराई रूपी रावण को हराकर राम ने सोने की लंका पर विजय प्राप्त की। उनकी यह विजय अच्छाई का रास्ता सज्जन पुरुषों के लिए प्रशस्त करने वाली बन गई। इसीलिए इस दिन को बड़े उत्साह के साथ समाज में मनाया जाता है।

दिगंबर जैन मंदिर पदमपुरा में यक्षिणी श्री मनोवेगा माताजी की प्रतिमा विराजमान की

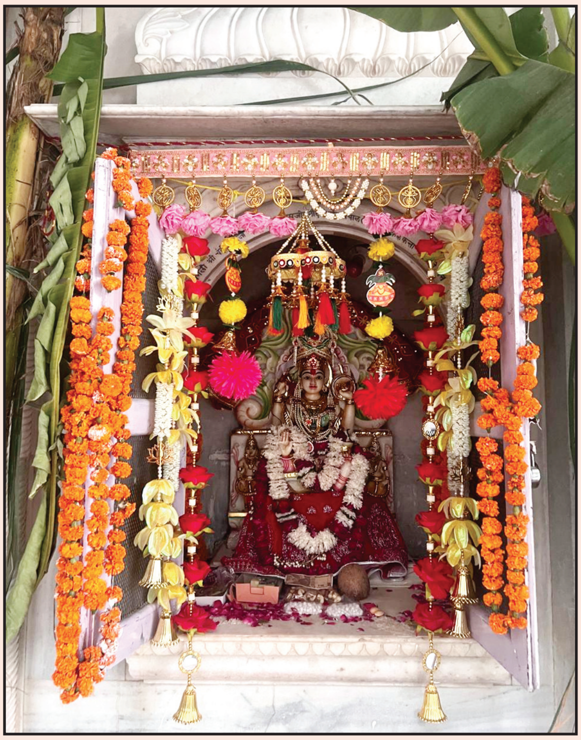

जयपुर. शाबाश इंडिया

श्री दिगंबर जैन अतिशय क्षेत्र पदमपुरा में आज यक्षिणी श्री मनोवेगा माताजी की प्रतिमा विराजमान की गई । वास्तु शास्त्री राजकुमार कोठारी ने बताया कि दिनाँक 11 अक्टूबर 2024 को मूल मन्दिरजी के बाहर, उत्तरी ओर पूर्व में बनी वेदी में विधि-विधानुसार 1008 श्री पद्मप्रभ भगवान की यक्षिणी देवी श्री मनोवेगा माताजी की मनोहर मूर्ति भारी हर्षोल्लास के साथ विराजमान की गई।

आपके विचार

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक राकेश जैन गोदिका द्वारा प्रकाशित दैनिक-ईपेपर 'शाबाश इंडिया' आम पाठक और समाज में जागरूकता फैलाने में सेतू का काम कर रहा है। आप अपने क्षेत्र के समाचार, आलेख, विचार आदि ई-मेल कर सकते हैं या निम्न नंबरों पर वाट्सअप कर सकते हैं।

सम्पादकः राकेश जैन गोदिका
@ 94140 78380, 92140 78380

दैनिक ई-पेपर
शाबाश इंडिया
shabaasindia@gmail.com
weeklyshabaas@gmail.com

विद्याधर नगर में आयोजित श्रीराम कथा के कार्यालय का हुआ भव्य शुभारंभ

जयपुर. शाबाश इंडिया

श्री बालाजी गौशाला संस्थान सालासर एवं विद्याधर नगर स्टेडियम आयोजन समिति के तत्वावधान में गुलाबी नगरी जयपुर में 7 से 15 नवंबर तक होने वाली श्री राम कथा के कार्यालय का शुभारंभ किया गया। आयोजन समिति के सचिव एडवोकेट अनिल संत ने बताया कि विद्याधर नगर सेंट्रल स्पाइन के विनायक टावर में हवामहल विधायक बालमुकुंदाचार्य महाराज ने फीता काटकर विधि विधान से पूजा करके कार्यालय का शुभारंभ किया। उन्होंने बताया कि कार्यालय का शुभारंभ होने के बाद श्री राम कथा के समस्त कार्य यहीं से संचालित किए जाएंगे।इस अवसर पर बालकृष्ण महाराज (भूतेश्वर), वेदांती महाराज (सियारामदास जी की बगीची), एडवोकेट अनिल संत, राजन शर्मा, राजेश पोद्दार, पंकज ओझा (आरएएस), लालचंद कटारा (आरएएस), गब्बर कटारा, राधेश्याम अग्रवाल लोरवाडा, सुशील पारिक (पूर्व उपाध्यक्ष युवा बोर्ड), आलोक अग्रवाल, बजरंग शर्मा नेता, दीपक गर्ग, सचिन रावत, गोपेश शर्मा, जगदीश चौधरी, जितेन्द्र श्रीमाली (चैयरमैन) मीनाक्षी शर्मा (चैयरमेन), सुमित मिश्रा (पार्षद), सुरेश जांगीड (पार्षद), कौशल शर्मा (पूर्व पार्षद),प्रदीप तिवाडी (पार्षद), जितेश पारीक, मुकेश पारीक,शैलेश शर्मा, कमल अग्रवाल, सुमेर सिंह शेखावत, पंकज गोयल, श्याम सुदंर सोमानी, सौरभ गोयल, सूरज सैनी, दीपक शर्मा, रोहित कुमावत, सहित अन्य सदस्य उपस्थित रहे।

रामभद्राचार्य जी सुनायेंगे भगवान श्री राम की मर्यादा के प्रसंग: पंकज ओझा

पंकज ओझा ने बताया कि जयपुर वासियों का परम सौभाग्य है कि तुलसी पीठाधीश्वर श्री रामभद्राचार्य जी महाराज जिनके रोम रोम में श्री राम बसे हैं उनके श्री मुख से श्रीराम कथा में भगवान श्री राम के मर्यादा के प्रसंग सुनने का मौका मिलेगा। गौरतलब है कि नव दिवसीय श्रीराम के शुभारंभ के अवसर पर 21 रथों के शाही लवाजमा के साथ 5100 महिलाएं पारंपरिक परिधान में त्रिवेणी संगम के जल से भरे मंगल कलशों को सिर पर धारण कर कथा स्थल पहुंचेगी। इस अवसर पर जगतगुरु एवं कलश यात्रा पर हेलीकॉप्टर से पुष्प वर्षा की जाएगी। कथा स्थल पर बंगाल के कारीगरों के द्वारा श्री राम मंदिर के प्रतिरूप का स्टेज बनाया जाएगा।

राम कथा मर्मज्ञ एवं युग वक्ता डॉ कुमार विश्वास भी होंगे शामिल

समिति के राजन शर्मा एवं आलोक अग्रवाल ने बताया कि श्रीराम कथा में विश्व विख्यात श्री राम कथा मर्मज्ञ एवं युग वक्ता डॉ कुमार विश्वास भी जगतगुरु रामभद्राचार्य से आशीर्वाद ग्रहण कर राम कथा के गूढ़ रहस्यों से आमजन को अवगत करवाएंगे।इस अवसर पर देश-विदेश के हजारों साधु संतों के साथ राजस्थान से प्रतिदिन करीब 50 हजार श्री राम के भक्त कथा का श्रवण करेंगे।

दो दिवसीय गरबा रास महोत्सव का हुआ समापन

जयपुर. शाबाश इंडिया। दो दिवसीय धार्मिक गरबा रास महोत्सव का मोहन लाल चंद्रावती ट्रस्ट प्रतापनगर सेक्टर 10 में शुक्रवार को समापन हुआ। इस मौके पर बड़ी संख्या में जैन बन्धु शामिल हुए। गुरूवार को णमोकार महामंत्र से गरबा रास का शुभारंभ हुआ। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि राजस्थान सरकार के सहकारिता मंत्री गौतम दक, डॉ पंकज धर्मेन्द्र निदेशक पुरातत्व एवं संग्रहालय विभाग राजस्थान, पार्षद पारस -पूजा पाटनी,जैन रत्न मनोज- सीमा सौगाणी पहाड़ी वाले दुर्गापुरा, दीपेन्द्र सिंह खंगारोत, समाजसेवी विकास -निधि बैराठी, रवि -खुशबू जैन दुर्गापुरा रहे। वही जिनेन्द्र जैन जीतू, अतुल मंगल,पूरण गंगवाल, सुमति जैन भेडूला, पारस जैन बिची,मनीष जैन टोरडी, नितिश मितल, राजेश जैन, अमन जैन कोटखावदा आदि गरबा रास महोत्सव के संयोजक मंडल के सदस्यों ने अतिथियों का साफा, दुपट्टा एवं माला पहनाकर स्वागत किया। इस मौके पर आमंत्रित अतिथि सुभाष चन्द जैन , मनीष बैद, अशोक जैन नेता, प्रदीप जैन लाला, विनोद जैन 'कोटखावदा', दीपक कागला फागी, चेतन जैन निमोडिया, महेश बाकलीवाल, प्रवीण बड़जात्या सवाई माधोपुर, राजेन्द्र पटेल सहित जैन समाज के गणमान्य लोग उपस्थित रहे। रंग बिरंगी रोशनी से चमकते परिसर में एक दूसरे का हौसला बढाते जैन कपल्स ने जैन भजनों, गुजराती, फिल्मी सहित अन्य गीतों पर डांडिया खनकाये ।कार्यक्रम में लक्की ड्रा उपहार, बेस्ट ड्रेस, बेस्ट डांस, बेस्ट कपल में प्रथम, द्वितीय व तृतीय स्थान आने वाले विजेताओं को पुरस्कार वितरित किए गए, वही गरबा रास महोत्सव में निःशुल्क फूड अनलिमिटेड स्टॉल का आयोजन किया गया।

52 जिनालयों में 5616 जिनबिम्बों की आठ दिवसीय आराधना एक स्थान पर नन्दीश्वर द्वीप महामण्ड्ल विधान रचना का आज से होगा विशाल आयोजन

जयपुर. शाबाश इंडिया। संत शिरोमणि आचार्य विद्यासागर महामुनिराज के परम प्रभावक शिष्य अर्हम योग प्रणेता मुनि प्रणम्य सागर महाराज ससंघ के सानिध्य में धरती पर जैन धर्म के सबसे बडे पूजा विधान का जयपुर में पहली बार 13 अक्टूबर से आठ दिवसीय महामह नंदीश्वर पूजा विधान का विशाल आयोजन होगा। पहली बार जयपुर में मानसरोवर के सेक्टर 9 स्थित सामुदायिक केन्द्र पर 52 जिनालयों की स्थापना की जाकर 5616 जिनबिम्बों की एक साथ एक स्थान पर संगीतमय आराधना की जाएगी। श्री आदिनाथ दिगंबर जैन समिति मीरा मार्ग के अध्यक्ष सुशील पहाड़िया एवं मंत्री राजेन्द्र सेठी ने बताया कि आचार्य विद्यासागर महामुनिराज के सानिध्य में कुण्डलपुर (मध्य प्रदेश) में आयोजित पंचकल्याणक प्रतिष्ठा महोत्सव में प्रतिष्ठित 5616 जिन बिम्ब सतना से जयपुर पहुच गये हैं। अर्हं योग प्रणेता मुनि प्रणम्य सागर महाराज द्वारा रचित इस महामह विधान का रविवार को प्रातः 6.15 बजे से प्रातः 10.30 बजे तक आयोजन किया जाएगा। प्रचार प्रभारी विनोद जैन कोटखावदा के मुताबिक पूजा विधान के दौरान प्रातः 8.15 बजे मुनि प्रणम्य सागर महाराज के मंगल प्रवचन होंगे। इस पूजा विधान में जयपुर सहित पूरे देश से सैकड़ो से श्रद्धालु शामिल होंगे। अध्यक्ष सुशील पहाड़िया एवं मंत्री राजेन्द्र सेठी ने बताया कि रविवार, 13 अक्टूबर से 20 अक्टूबर तक मुनि श्री प्रणम्य सागर महाराज ससंघ के सानिध्य में होने वाले आठ दिवसीय महामह नंदीश्वर पूजा विधान में बैठने के लिए जयपुर शहर के विभिन्न जैन मंदिरों से आने जाने के लिए बसों की व्यवस्था की गई है ।पूजा विधान में बैठने वाले इन्द्र-इन्द्राणियो के लिए कार्यक्रम समापन पर शुद्ध भोजन की व्यवस्था रहेगी। इस विशाल आयोजन की तैयारियां पूरी हो चुकी है। इससे पूर्व शनिवार को मीरामार्ग के आदिनाथ भवन पर मुनि प्रणम्य सागर महाराज के सानिध्य में पारस पुराण कथा का संगीतमय आयोजन किया गया। इस मौके पर मुनि श्री के मंगल प्रवचन हुए। धर्म सभा में भभगवान आदिनाथ एवं संत शिरोमणि आचार्य विद्यासागर महामुनिराज, नवाचार्य समय सागर महाराज के चित्र का अनावरण किया गया। तत्पश्चात दीप प्रज्जवलन, मुनि श्री के पाद पक्षालन एवं शास्त्र भेट किया गया। धर्म सभा में बड़ी संख्या में गणमान्य लोग एवं श्रद्धालुगण शामिल हुए।

फैशन डिजाइनर जोड़ी ने टीरा पर लॉन्च की लग्जरी कैंडल्स की एक्सक्लूसिव रेंज

प्रीमियम सोया वैक्स और भारतीय शाही सुगंधों का मिश्रण

मुंबई. शाबाश इंडिया। प्रसिद्ध भारतीय फैशन डिजाइनर अबू जानी और संदीप खोसला ने टीरा के साथ मिलकर अपनी नई लग्जरी सुगंधित कैंडल्स की रेंज लॉन्च की है। पांच विशिष्ट सुगंधों वाली यह प्रीमियम श्रृंखला भारतीय राजसी संस्कृति से प्रेरित है और आधुनिक लग्जरी का प्रतीक है। इस एक्सक्लूसिव कलेक्शन में महारानी (जैस्मिन और ट्यूबरोज), मुबारक (लेदर और एम्बर), महबूबा (गुलाब और ओउद), महल (कॉफी और तंबाकू), और माया (मोगरा और पैचुली) जैसी सुगंधें शामिल हैं, जो किसी भी स्थान को सुगंधित और आकर्षक बना देती हैं। उच्च गुणवत्ता वाले सोया वैक्स से निर्मित यह कैंडल्स दीर्घकालिक सुगंध प्रदान करती हैं, जो आत्म-देखभाल और आराम के पलों को विशेष बनाती हैं। इस कलेक्शन के साथ, टीरा ने लग्जरी ब्यूटी उत्पादों में एक और खास पहल की है, जो आधुनिक उपभोक्ताओं के लिए प्रीमियम अनुभव का वादा करती है।

आज के युग में संगठन काम आयेगा, संगठित होने की जरूरत है: मुनि पुंगव श्रीसुधासागरजी महाराज

मध्यप्रदेश जैन समाज का पहला सम्मेलन सागर में सम्पन्न

सागर. शाबाश इंडिया

अब जुड़ने के अलावा कोई चारा नहीं है आज के युग में संगठन काम आयेगा सभी को संगठित होकर काम करने की आवश्यकता है पहले तो मैं आप लोगों की तरह ही सम्मेलन को सुन रहा था लेकिन आप लोगों के उत्साह को देखकर लगता है कि सभी कुछ करने के लिए संकल्प वंध है काम करने वाले कर्म शील को ही भगवन का आशिर्वाद प्राप्त होता हे संगठन मे संत वाद ओर पंथवाद नही होगा उक्त आश्य केउद्गार भाग्योदय तीर्थ सागर में मध्य प्रदेश जैन समाज के पहले अधिवेशन को संबोधित करते हुए व्यक्त किए। इसके पहले सम्मेलन के शुभारंभ में आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज के चित्र का अनावरण आई ए एस शोभित जैन वीरेश दादा प्रमोद हिमासू भोपाल पारस जैन उज्जैन एस के जैन गुना सहित अन्य प्रमुख जनो ने किया वहीं दीप प्रज्जवलन सम्मेलन अध्यक्ष राकेश वावा सम्मेलन समन्वय विजय धुर्रा तीर्थ कमेटी के पूर्व अध्यक्ष सुधीर सिंघई राकेश जैन एस डी ओ मोहित जैन तहसीलदार दमोह चातुर्मास कमेटी के अध्यक्ष सतेन्द्र जैन सट्टू स्वागध्यक्ष आशीष ने पटना महामंत्री राजकुमार मिनी संयोजक रिषभ वादरी सहित अन्य भक्तों ने किया। सम्मेलन के पहले अधिवेशन समन्वय विजय धुर्रा ने कहा कि आज मध्यप्रदेश जैन समाज का पहला सम्मेलन होने जा रहा है सम्मेलन का कोई एजेंडा हमारे सामने नहीं आया हम सब परम पूज्य आध्यात्मिक संत निर्यापक श्रमण मुनि पुंगव श्री सुधा सागर जी महाराज के दिशा निर्देश मार्ग दर्शन को लेकर आगे बढ़ने जा रहे हैं जिस तरह से पूरे प्रदेश से प्रतिनिधि उमड़े है उससे ये तय हो गया आज का दिन मध्यप्रदेश जैन समाज के लिए ऐतिहासिक है और पहले ही सम्मेलन से प्रदेश के साथ ही राष्ट्रीय संगठन निकलेगा। तीर्थ क्षेत्र के राष्ट्रीय मंत्री वीरेश सेठ ने कहा कि वर्षो से तीर्थ क्षेत्र कमेटी सम्मेद शिखर गिरनार की लड़ाई लड़ रही है इसके साथ सामाजिक चिंतन की आवश्यकता है पूर्व अध्यक्ष सुधीर सिघई ने कहा कि मुनिपुंगव श्रीसुधासागरजी महाराज के सान्निध्य में पहली बार पूरे प्रदेश की जैन समाज एक साथ बैठकर आपके आशीर्वाद की प्रतीक्षा कर रही है तहसीलदार मोहित जैन ने कहा कि आज हमें मन्दिरो की सम्पत्तियो को रजिस्टेड ट्रस्टो में रखने की आवश्यकता है पारस जैन उज्जैन ने कहा कि सोशल मीडिया पर अनर्गल प्रलाप से समाज को वचाये जाना आवश्यक है।

पूज्य श्री का मार्गदर्शन ही संगठन का आधार होगा-आई ए एस शोभित जैन

सम्मेलन को संबोधित करते हुए आई ए एस शोभित जैन ने कहा कि परम पूज्य मुनि पुगंव श्रीसुधासागरजी महाराज के सान्निध्य में हम सब बैठ कर कुछ करने जा रहे हैं पूज्य श्री का मार्गदर्शन ही संगठन का आधार होगा इस दौरान सम्मेलन संयोजक प्रमोद हिमासू अध्यक्ष राकेश वावा सहित अन्य लोगों ने भी संबोधित किया प्रारंभ में संयोजक चक्रेश सिंघई ने कहा कि आज जो सागर में होने जा रहा उसकी हमने कल्पना नहीं की थी एक एक लकड़ी को तो कोई भी तोड़ सकता है लेकिन जब वहीं गड्ठा बन जाता है तो उसे कोई नहीं तोड़ सकता।

मां भगवती वैष्णवी देवी मंदिर पर शस्त्र पूजा के साथ नवरात्री सम्पन्न

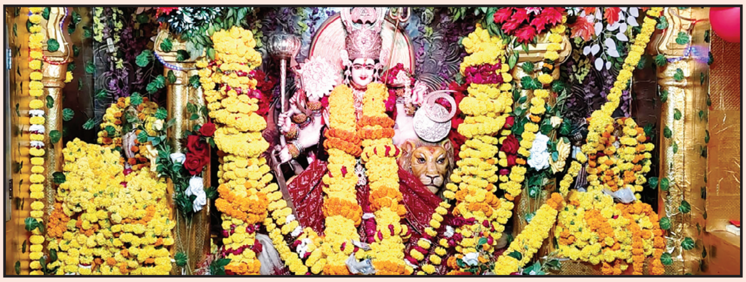

हजारों की संख्या में श्रद्धालुओं ने अखण्ड ज्योति के दर्शन लाभ प्राप्त किए

रोहित जैन. शाबाश इंडिया

नसीराबाद। अजमेर जिले का सुप्रसिद्ध मन्दिर कोटा रोड स्थित टैंक नंबर 5 पर मां भगवती वैष्णवी देवी मंदिर पर नवरात्रि महोत्सव का हुआ समापन। मन्दिर के पुजारी अरुण कुमार गौड़ ने जानकारी देते हुए बताया कि हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी मां भगवती वैष्णवी देवी मंदिर पर विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए गए। नवरात्रि पर्व से पहले चौदस से ही नवरात्रि महोत्सव का आगाज शुरू हो जाता है। चौदस को माता का अभिषेक किया जाता है फिर माता को नवरात्रि का निमंत्रण दिया जाता है। नवरात्रि पर्व एकम से पूरे 10 दिन माता के मन्दिर पर विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं। एकम को नवरात्रा की स्थापना करते हैं। यहां पर छप्पन भोग की झांकी भी सजाई जाती हैं। अष्टमी को हवन की पूणार्हुति की जाती है जो पंचमी को शुरू होता हैं। नवरात्रि के अष्टमी को हवन व महाआरती होती है। आरती में प्रसाद वितरण किया जाता हैं। आरती के बाद जागरण किया जाता हैं। फिर दशमी को शस्त्र पूजा अर्चना कर नवरात्रि महोत्सव का समापन करते हैं। मन्दिर के सचिव आशीष गौड़ ने बताया की मन्दिर की बहुत सी विशेषताएं है उसी में से एक अखण्ड ज्योति है जिसको मंदिर के स्व पंडित रामा शंकर जी ने कटरा जम्मू से करीबन 40 वर्ष करीब पहले नसीराबाद लेकर आए थे जिसका भव्य स्वागत किया गया था।

जवाहरलाल नेहरू चिकित्सालय में दशहरा महोत्सव

तंबाकू उत्पादों के खिलाफ जागरूकता अभियान

रोहित जैन. शाबाश इंडिया

अजमेर। जवाहरलाल नेहरू चिकित्सालय में दशहरा महोत्सव मनाया गया, जिसमें तंबाकू उत्पादों के खिलाफ जागरूकता फैलाने के लिए रावण का दहन किया गया। इस आयोजन में जिला पुलिस अधीक्षक वंदिता राणा ने भाग लिया और तंबाकू उत्पादों के खतरों के बारे में जागरूकता फैलाने के लिए आयोजित कार्यक्रम की सराहना की। चिकित्सालय के अधीक्षक डॉ. अरविंद खरे ने कहा, ''तंबाकू उत्पादों का सेवन स्वास्थ्य के लिए हानिकारक है। हमें इसके खिलाफ लड़ना होगा और समाज में जागरूकता फैलानी होगी।'' इस अवसर पर डॉ. लक्ष्मण सिंह चारण ने एक कविता गाकर तंबाकू उत्पादों के खतरों के बारे में जागरूकता फैलाई। जिला पुलिस अधीक्षक वंदिता राणा ने चिकित्सालय के नवाचारों की भी प्रशंसा की। इस आयोजन में डॉ अमित यादव उपाधीक्षक , डॉ मनीराम , डॉ मयंक श्रीवास्तव, डॉ दिग्विजय और चिकित्सालय के डॉक्टर्स और स्टाफ सदस्यों ने भाग लिया और तंबाकू उत्पादों के खिलाफ शपथ ली। यह आयोजन समाज में जागरूकता फैलाने और तंबाकू उत्पादों के खतरों के बारे में लोगों को जागरूक करने में मदद करेगा।

रंगारंग डांडिया और गरबा रासः संस्कृति के रंगों में सजी एंबीशन किड्स एकेडमी

जयपुर. शाबाश इंडिया

श्योपुर रोड स्थित एम्बिशन किड्स एकेडमी विद्यालय में नवरात्रि एवं दशहरा महोत्सव के अवसर पर भव्य डांडिया एवं गरबारास का आयोजन किया गया। इस आयोजन में विद्यालय के छात्रों और शिक्षकों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया और पूरे कार्यक्रम को एक उत्सव का रूप दे दिया। पारंपरिक परिधानों में सजे नन्हे मुन्ने बालकों ने अपनी रंग-बिरंगी प्रस्तुतियों से सभी का मन मोह लिया। कार्यक्रम की शुरूआत अंतरराष्ट्रीय ख्याति प्राप्त प्रसिद्ध होम्योपैथ एवम संस्था अध्यक्ष डॉ एम एल जैन मणि और डॉ शांति जैन द्वारा संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलन कर की गई। उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि ऐसे सांस्कृतिक कार्यक्रम हमारे बच्चों को अपनी जड़ों से जोड़ने का काम करते हैं और उनकी रचनात्मकता को निखारने का अवसर प्रदान करते हैं। प्राचार्य डॉ अलका जैन ने अपने उद्बोधन में बताया कि इस आयोजन का मुख्य आकर्षण गरबा रास और डांडिया के साथ साथ रावण वध का सजीव चित्रण था। इस दृश्य में प्रभु श्री राम द्वारा दस सिर वाले रावण की इन दस बुराइयों का अंत करना दशार्या गया था। इनमें अहंकार, असंयम (वासना), आक्रामकता, बदले की भावना, लोभ, अधर्म अन्याय, घमंड, अस्वीकृति और ईर्ष्या प्रमुख थी। रावण एक अत्यंत शक्तिशाली और विद्वान व्यक्ति था लेकिन उसकी इन्हीं बुराइयों ने उसकी सारी अच्छाइयों को ढक दिया। अहंकार, अधर्म और वासना जैसी प्रवृत्तियो ने उसकी सोचने और समझने की क्षमता को कमजोर कर दिया और इन बुराइयों के चलते वह एक महान राजा होते हुए भी एक दुष्ट के रूप में प्रसिद्ध हुआ। यहां रामायण हमें यह सिखाती है कि चाहे कोई कितना भी शक्तिशाली क्यों ना हो, बुराइयां अंततः विनाश का कारण बनती है। अतः हमें इन बुराइयों से बचना चाहिए और मानव सेवा के लिए सदैव तत्पर रहना चाहिए। वाइस प्रिंसिपल अनीता जैन ने बताया कि गरबा रास में विद्यालय के सभी कक्षाओं के छात्रों ने हिस्सा लिया और अपनी लयबद्ध प्रस्तुतियों से दर्शकों का दिल जीत लिया। उन्होंने कहा कि भविष्य में भी ऐसे कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे ताकि बच्चों में टीम वर्क, अनुशासन और अपनी संस्कृति के प्रति प्रेम की भावना का विकास प्रबल हो सके। कार्यक्रम के अंत में निदेशक डॉ मनीष जैन ने सभी को धन्यवाद ज्ञापित करते हुए इसे सांस्कृतिक धरोहर के प्रति प्रेम जगाने का एक सफल प्रयास बताया।

नॉर्थ ग्रुप द्वारा बालिका आश्रम मे पंखे भेंट किये

जयपुर. शाबाश इंडिया

सामाजिक कार्यक्रम की कड़ी मे 12 अक्टूबर को जैन सोशल ग्रुप नॉर्थ द्वारा रानी सती नगर, निर्माण नगर स्थित आश्रय केयर होम बालिका आश्रम मे ग्रुप सदस्य पदम कुमार सोगानी के सौजन्य से पंखे भेंट किये। ग्रुप सचिव विशुतोष चांदवाड़ ने बताया कि ग्रुप की स्थापना के 21वे वर्षगाँठ के उपलक्ष्य मे 21 सामाजिक कार्यक्रमो की श्रृंखला मे 12 अक्टूबर को बालिका आश्रम मे बच्चों के कमरों के लिए छत के पंखे आश्रम की केयर टेकर श्रीमती सुशीला जी को भेंट किये इस अवसर पर ग्रुप सदस्य पदम कुमार सोगानी श्रीमती प्रीति सोगानी, रानू सोगानी एवं अन्य सदस्य उपस्थित थे।